India Media Monitor

Business Bhaskar

JK Lakshmi Cement 95 lakh ton karegi utpadan shamta

Date: 14/12/2011 | Edition: Delhi | Page: 3 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 19 H: 20

Clip: 1 of 1

पहल ◆ कंपनी की उदयपुर में एक बीमार सीमेंट यूनिट खरीदने की भी योजना

जेके लक्ष्मी सीमेंट 95 लाख टन करेगी उत्पादन क्षमता

बिजनेस भास्कर • नई दिल्ली

जे.के.लक्ष्मी सीमेंट अपनी विस्तार योजनाओं के तहत अपनी उत्पादन क्षमता को अगले दो साल में 95 लाख टन तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। कंपनी इसके तहत जहां छत्तीसगढ़ के दुर्ग में प्लांट लगा रही है, वहीं उदयपुर में भी सीमेंट प्लांट पर 500 करोड़ रुपये टन का निवेश करने की योजना पर काम कर रही है। कंपनी इसके अलावा हरियाणा के झज्जर में भी एक ग्राईंडिंग यूनिट लगा रही है। कंपनी की सीमेंट प्लांट के अलावा अगले दो साल में रेडीमिक्स मिक्स कंक्रीट प्लांट की संख्या भी दोगुनी करने की तैयारी है।

कंपनी की विस्तार योजनाओं पर जे.के.लक्ष्मी सीमेंट के पूर्णकालिक निदेशक शैलेंद्र चौकसे ने बिजनेस भास्कर को बताया कि कंपनी अभी छत्तीसगढ़ के दुर्ग में 27 लाख टन क्षमता वाला सीमेंट प्लांट लगा रही है। प्लांट में 1,200 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। दुर्ग प्लांट के अक्टूबर 2013 तक कमीशंड हो जाने की उम्मीद है जिसके बाद कंपनी की सीमेंट उत्पादन क्षमता अक्टूबर 2013 तक 80 लाख टन हो जाएगी। कंपनी इसके अलावा उदयपुर में एक बीमार सीमेंट यूनिट को भी खरीदने की योजना पर काम कर रही है। वह यूनिट अभी बोर्ड फॉर इंडस्ट्रियल एंड फाइनेंस रिकंस्ट्रक्शन (बीआईएफआर) में हैं। जे.के.लक्ष्मी सीमेंट कंपनी ने इस यूनिट के रिवाइवल के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा है। यदि यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है, तो कंपनी इस प्लांट की उत्पादन क्षमता 14 लाख टन तक कर लेगी जो कि साल 2013 तक पूरा हो सकेगा।

तैयारी

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में लगाएगी सीमेंट प्लांट

इस प्लांट में 1,200 करोड़ का होगा निवेश

उदयपुर में करेगी 500 करोड़ का निवेश

झज्जर में लगाएगी एक ग्राइंडिंग यूनिट

आरएमसी प्लांट की संख्या बढ़ाकर करेगी 20

चौकसे के अनुसार, इसके अलावा कंपनी की एक 55 लाख टन क्षमता वाली ग्राइंडिंग यूनिट हरियाणा के झज्जर में आ रही है जो कि फरवरी 2012 तक कमीशंड हो जाएगी। चौकसे ने बताया कि रेडी मिक्स कंक्रीट की बढ़ती उपयोगिता को देखते हुए कंपनी अगले दो साल में अपने आरएमसी प्लांट की संख्या नौ से बढ़ाकर 20 कर देगी। इस पर कंपनी करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

सीमेंट उद्योग में मांग और कीमतों पर हो रहे असर पर चौकसे का कहना है कि दो साल पहले इंडस्ट्री को जीडीपी ग्रोथ को देखते हुए सीमेंट की मांग में 10-12 फीसदी की ग्रोथ की उम्मीद थी। इसकी वजह से इंडस्ट्री की उत्पादन क्षमता 2008-09 से अब तक 10 करोड़ टन बढ़ी है। साल 2011-12 में अभी तक 2.8 करोड़ टन तक बढ़ चुकी है। चूंकि मांग उसके मुताबिक नहीं बढ़ी है इसे देखते हुए औसतन सीमेंट इकाइयां 75-80 फीसदी ही उत्पादन क्षमता का उपयोग कर रही है।

इस समय 31.2 करोड़ टन सीमेंट उत्पादन की क्षमता इंडस्ट्री की पहुंच गई है। जहां तक कीमतों की बात है, तो मांग के मुताबिक कीमतों में उतार-चढ़ाव होता रहता है। सीमेंट कंपनियों पर कार्टलाइजेशन का आरोप लगाए जाने के मुद्दे पर चौकसे का कहना था कि इस आरोप को कंपटीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने जांच-पड़ताल के बाद वापस ले लिया है।